पदोंकी वर्णानुक्रमणिका।

पृष्ठ		पदसंख्या
	अ	
८	अरज म्हारी मानो जी०	१७
१५	अरज करूं (नवलीन करूं)	३३
१७	अहो देखो केवलज्ञानी०	३९
२१	अरे हाँ रे तैं तो सुधरी०	४९
२१	अब अघ करन टलाय०	५१
३३	अहो मेरी तुमसों बीनती०	८२
३६	अब घर आये चेतनराय०	९१
४०	अब थे क्यों दुख पावो०	१००
४३	अब तू जान रे चेतन०	१०७
४६	अजी हो जीवा जी थानें०	११३
५४	अहो! अब बिलम न०	१३१
५५	अरज जिनराज यह मेरी०	१३३
५८	अब हम निश्चय जान्यो०	१३९
६३	अद्भुत रूप भयौ थौ०	१५२
७२	अजी मैं तो हेल्या पदम०	१७४
७९	अष्ट कर्म म्हारो काई०	१९१
८२	अब तेरी मुनि वानकी	१९८
८४	अजी मेरा नाभिनंदन०	२०३
८५	अब तो या जोग नाहीं रे०	२०६
९९	अब जग जीता वे भानू	२८०
	आ	
१०	आगैं कहा करसी भैया०	२२
३९	आज तो बधाई हो नाभि०	९८
४१	आनंद हरष अपार तुम०	१०२
४४	आज मनरो बनै छै जिन०	१०९
४६	आयो जी प्रभु थांपै कर०	११५
५७	आयो प्रभु तोरे दरबार०	१३७
६७	आज सुखदाई बधाई०	१६२
७३	आनन्द भयो निरखत०	१७५
९२	आज लग्यो छै उमाहो०	२२३
	इ	
५१	इस वक्त जो भविकजन०	१२४
	उ	
२३	उत्तम नरभव पायकै मति०	५५
६०	उठो रे सुज्ञानी जीव	१४५
६८	उमाहो म्हाने लागि गयो०	१६५
	ऋ	
४९	ऋषभ तुमसे लाग मेरा०	१२२
	ऐ	
३०	ऐसा ध्यान लगावो भव्य०	७४
५८	ऐसे प्रभुके गुनन कोट०	१३८
९५	ऐसे गुरुके गुननकौं०	२३०
	ओ	
६४	ओर तो निहारो दुखिया०	१५३
	औ	
२	और ठौर क्यों हेरत प्यारा	४
१२	और सबै मिलि होरि०	२६
	क	
१	किंकर अरज करत जिन०	२

पृष्ठ		पदसंख्या
३	काल अचानक ही ले०	५
६	करम देत दुख जोर हो०	१३
१३	कंचनदुति व्यंजन लच्छ०	२८
३५	कीपर करौ जी गुमान०	८८
३७	कर लै हो जीव सुकृत०	९२
४५	कुमतीको कारज कूड़ौ०	११२
५१	कोई भोगको न चाहो०	१२५
६८	कृपा तिहारी विन जिन०	१६३
७२	क्यौं रे मन तिरपत है०	१७२
७८	कहा जी कियौ भव०	१८७
८१	करमूंदा कुपेंच मेरै है०	१९६
८९	करि करि कर्म इलाज०	२१५
	ग	
७	गुरुदयाल तेरा दुख लखि०	१६
३८	गुरुने पिलाया जी ज्ञान०	९४
५९	गाफिल हूवा क्या तू०	१४१
८६	गाता ध्याता तारसी जी०	२०९
८९	गहो नी धर्म नित आयु०	२१६
	च	
६	चन्दजिनेसुर नाथ हमारा	१२
१०	चेतन खेल सुमति सग०	२३
२४	चुप रे मूढ अजान हम०	५७
३५	चदाप्रभु देव देख्या दुख०	८९
५२	चन्दजिन विलोकवेतैं फंद०	१२६
६०	चन्द जिननाथ हमारा०	१४४
६८	चेतन मो मातौ भव व०	१६४
७५	चेतन तोसौं आज होरी०	१८०
८३	चेतन आयु थोरी रे०	२०२
	००चरनन चिन्ह चितारि०	२४२
	छ	
३०	छवि जिनराई राजै छै	७३
३४	छिन न विसारां चितसौं०	८६
	ज	
१०	जगतमैं होनहार सो होवै	२१
२६	जिनवानीके सुनेसौं मि०	६३
५४	जगतपति तुम हौ श्रीजि०	१३०
५७	जिनवानी प्यारी लागै छै०	१३६
७०	जिनगुन गाना मेरे मन०	१६८
७३	जो मोहि मुनिकौं मिलावै०	१७६
८६	जमारा नी वे तेरा नाहक०	२०७
८८	जीवा जी थॉनै किण वि०	२१४
९९	जियरा रे तू तौ भोग०	२३९
	ठ	
९८	ठाईसौं गुनाको धारी०	२३७
	त	
८	तू कांई चालै लाग्यौ रे०	१८
१७	तन देख्या अथिर घिना०	३७
१७	तेरो करि लै काज वखत०	३८
१८	तनके मवासी हो अया०	४१
१९	तारो क्यौं न तारो जी	४५
२२	तोकौं सुख नहिं होगा लो०	५२
२४	त्रिभुवननाथ हमारो	५८
२५	तेरी बुद्धि कहानी सुनि०	६०
२५	तू मेरा कह्या मान रे०	६१
२९	तैं क्या किया नादान तैं तो	७१
४२	तेरो गुन गावत हूं मैं०	१०४
६२	तुम विन जगमैं कौन०	१४८
६४	तूही तूही याद आवै ज०	१५४

पृष्ठ		पदसंख्या
६५	तिहारी याद होते ही०	१५७
६७	तुम चरननकी शरन०	१६१
७५	तू पहिचान रे मन जिन०	१७९
७७	तैं तौ गुरु सीख न मानी	१८५
८२	तुम सुध आयें मोरें०	१९७
८२	तू तौ है ज्ञानमें नाहीं०	१९९
९१	तेरी आवत नीड़ो काल	२२१
९७	तैं ना जानी तोहि उप०	२३६
९८	तू आतम निरभय डोलि०	२३८

थ

९	थे ही मोनैं तारो जी प्रभु०	१९
३१	थाका गुण गास्या जी०	७७
३८	थाका गुन गास्या जी०	९६
४८	थे म्हारे मन भाया जी०	११९
८०	थारी थारी चेतन मति०	१९३
८१	थे चितचाहीदा नजरूं०	१९४

द

२७	देखो नया आज उछाव०	६६
५०	दुनिया का ये हवाल क्यों०	१२३
५३	देखे मुनिराज आज०	१२९
९६	देख्यौ थारो सुद्ध सरूप०	२३३

ध

१२	धर्म विन कोई नहीं अपना०	२७
१३	धनि सरधानी जगमैं	२९
२३	धनि चन्द्रप्रभदेव ऐसी सु०	५६
९४	धन्य सुदत्त मुनि वानि०	२२९

न

७	नरभव पाय फेरि दुख०	१४
१५	निजपुरमें आज मची०	३४

पृष्ठ		पदसंख्या
१८	नैन शान्त छवि देखि०	४२
२२	निरखे नाभिकुमारजी	५३
४८	नरदेहीको धरी तौं कछू	१२१
६१	निरखि छवी परमेसुरकी०	१४७
६२	निसि दिन लख्या कर रे	१४९
६९	नेमिजीके संग चली०	१६७
९१	निज कारज क्यौं न कियौं०	२२०

प

१	प्रात भयो भव भविजन०	१
२	पतितउधारक पतित र०	३
९	प्रभूजी अरज म्हारी उर०	२०
२०	प्रभु थासूं अरज हमारी हो	४७
५६	परमजननी धरमकथनी०	१३४
६०	प्रभुजी चन्द जिनदा म्हें०	१४३
६५	पूजन जिन चालौ री मि०	१५६
७७	पूजत जिनराज आज०	१८४
८७	पारं छै पारे छै दिन पा०	२११
९०	प्रभु थाका वचनमें वहुत०	२१९

ब

५	बधाई राजै हो आज राजै	९
११	बाबा मैं न काहूका कोई	२५
१४	बधाई भई हो तुम निर०	३०
१४	बधाई चन्दपुरीमैं आज	३२
३५	बन्यौ म्हारै या घरीमें रंग	८७
३७	वेगि सुधि लीज्यौ म्हारी०	९३
७८	बधाई भई है महावीर०	१८९
८०	बानी जिनकी बखानी हो०	१९२
८३	बूझ्यौ रे भोळा जीव मूर०	२०१

पृष्ठ		पदसंख्या
९४	वोयौ रे जन्म यौ ही नी०	२२८
	भ	
१९	भजन विन यौं ही जन०	४४
२०	भवदधि तारक नवका०	४६
२३	भला होगा तेरा यौं ही	५४०
३४	भोगारा लोभीड़ा नरभव०	८४०
४३	भज जिनचतुर्विंशतिनाम	१०६
७४	भई आज वधाई निरखत०	१७७
७४	भये आज अनंदा जनमैं०	१७८
	म	
३	म्हे तो थापर वारी वारी०	६०
५	मनकैं हरष अपार चित०	११०
१४	म्हारी सुणिज्यो परम०	३१०
१६	मोकौं तारो जी तारो जी०	३५०
२१	मैं देखा आतमरामा	५००
२५	मेरी अरज कहानी सुनि०	५९०
२८	मैं देखा अनोखा ज्ञानी वे०	६७०
२८	मेरो मनुवा अति हरषाय०	६८०
२८	मोहि अपना कर जान०	६९०
२९	मैं तेरा चेरा अरज सुनो०	७००
३०	मेरा साईं तो मोमैं नाहीं०	७५०
३१	म्हारी भी सुणि लीज्यौ०	७६०
३४	म्हारी कौन सुनै थे तौ०	८५०
३८	मति भोगन राचौ जी०	९५०
४०	म्हारौ मन लीनौ छै थे०	१०१०
४२	मनुवा वावला हो गया०	१०५०
४४	म्हे तो थाका चरणा०	१०८०
४५	म्हे तो ऊभा राज थानैं०	१११०
४६	महाराज थानैं सारी०	११६०

पृष्ठ		पदसंख्या
४७	मुनि वन आये वना	११७०
४८	मैं ऐसा देहरा वनाऊं०	१२०
५२	मदमोहकी शराव पी०	१२७
५६	मेरे आनंद करनकौं	१३५
६२	मनुवो लागि रह्यो जी०	१५०
६४	म्हारा मनकैं लग गई०	१५५
६६	माई आज महामुनि डोलैं	१५८
७०	मुझे तुम शान्त छवी दर०	१६९
७१	मानुप भव अव पाया रे०	१७०
७२	मूनैं थे तौ तारो श्रीजिन०	१७३
७६	मग वतलाना मानूं मो०	१८३
८७	मानै छै मानै छै यौं ही०	२१२
८८	मुजनू जिन दीठा प्यारा वे	२१३
९०	मिनखगति निठा मिली०	२१८
९३	मानौ मन भँवर सुजान०	२२६
९५	मेरा तुमीसौं मन लगा	२३१
९६	म्हारा जी श्री जी मेरा०	२३२
९७	मेरा सपरदेसी भूल न०	२३५
९९	मैं तो अयाना थानै न०	२४१
	य	
४	या नित चितवो उठिकै०	७०
२०	याद प्यारी हो म्हानैं था०	४८०
३३	याही मानौ निश्चय मानौं०	८३०
६१	यौ करौ उपगार मोपै	१४६
८४	या काया माया थिर न र०	२०४
८५	येती तौ विचारौ जगमैं०	२०५
८७	यौ ही थाँने ओलँवो०	२१०
८९	यौ मन मेरौ निपट हठीलौ	२१७

पृष्ठ पदसंख्या

र
३२ रे मन मेरा, तू मेरो क० ८०
६३ रागद्वेष हकार त्यागकरि० १५१
६९ रे मन मूरख बावरे० १६६
ल
४७ लखै जी आज चद जिन० ११८
१०० लूम झूम बरसै बदरवा० २४३
व
७१ वीतराग मुनिराजा मो० १७१
श
४ श्रीजिनपूजनको हम आये ८
१८ श्रीजी तारनहारा थे तो ४०
२७ शिवथानी निशानी जिन० ६५
७६ श्रीजिनवर दरबार० १८१
८१ शरन गही मैं तेरी० १९५
९७ श्रीजा म्हानै जाणी छौ २३४
स
७ सारद तुम परसाद तें आ० १५
२७ सम्यग्ज्ञान विना तेरो ज० ६४
२९ सुनियो हो प्रभु आदिजि० ७२
३९ सुणिल्यो जीव सुजान सी० ९९
४२ सीख तोहि भाषत हू या० १०३
५५ सुरनरमुनिजनमोहनकौ० १३२
५८ सुन करि वानी जिनवर० १४०
५९ सुमरौ क्यों ना चन्द जि० १४२
७७ सजनी मिल चालौ थे० १८६

पृष्ठ पदसंख्या

७९ सुण तौ माहींवाला क्यौं० १९०
९१ समझ भव्य अन मति सो० २२२
९३ सुख पावैगे यासों मेरा० २२७
ह
५ हो जिनवानी जू तुम० १०
११ हे आतमा देखी दुति० २४
१६ हम शरन कर्यो जिन० ३६
१९ हरना जी जिनराज मोरी० ४३
२६ हो विधिनाकी मोपै कहीं० ६२
३२ हो मना जी थारी बानि० ७८
३२ हो प्रभुजी म्हारो छै ना० ७९
३९ हमकौं कछू भय ना रे० ९८
४४ हो जो म्हे निशिदिन० ११०
४६ हू कब देखूं वे मुनिराई हो ११४
५३ हो राज म्हे तौ थारी जी १२८
६६ हो चेतन जी ज्ञान करौला० १५९
६७ हू तौ निशिदिन सेऊ० १६०
७६ हो जी म्हारी याही मानू० १८२
७८ हमारी पीर तौ हरौ जी० १८८
८३ हो चेतन अभी चेत लै २००
८६ हो जिय ज्ञानी रे थे हीं० २०८
९२ हे देखो भोलौ बरज्यौ न० २२४
९२ हो देवाधिदेव म्हारी० २२५
ज्ञ
३३ ज्ञान विन थान न पावैगे ८१
३६ ज्ञानी थारी रीतरौ अचमौ० ९०